तुन् दण्डम् supplicium sumere *de aliquo*. MAN. 8. 318.: राजनिर्धूतदण्डाः·

c. वि removere, abjicere, relinquere. RAM. II. 47. 21.: विधूय शोकम्; RAGH. ed. Calc. 9. 72.: विधूतनिद्र· Agitare. IN. 2. 17.: व्यसनेन विधूयता; MAH. 3. 11703.: वायुना विधूयमाना: पताका·

2. धू 6. P. et 9. P. धुवामि, धुनामि (gr. 385.) *i. q.* धू *cl.* 5.

1. धूप् 1. P. धूपायामि PAN. III. 1. 28. (ut videtur, *Denom.* a धूप, v. gr. 585.) 1) suffire. DEV. 4. 28.: दिव्यैर् धूपैस् तु धूपिता; R. Schl. I. 10. 30.: क्रियताम् पुरन् धूपितम्· 2) fumare. MR. 166. 17.: नीलैः सान्द्रम् इवा 'हिभिर् जलधरैर् धूपायती 'वा 'म्बरम्· (Gr. τύφω, transpositâ aspiratione e θύπτω, v. Pott. I. 257.)

c. अव suffire. RAM. II. 60. 83.: दिव्यधूपावधूपितः·

2. धूप् 10. P. (भाषार्थे K. दीप्तौ V.) loqui; lucere.

धूप m. (ut videtur, a r. धू adjecto प् s. अ, cf. rr. ज्ञ et धु) thus, suffimentum. (Gr. τῦφος, v. 1. धूप्.)

धूम m. (r. धू s. म) fumus. H. 4. 39. (Lith. *dûmai* m. pl. fumus; slav. *dym*; germ. vet. *daum, toum* vapor; hib. *dluimh* «a cloud, darkness, smoke», v. Pictet p. 46.; lat. *fûmus*; gr. θῦμός.)

धूमकेतु m. (e praec. et केतु) cometa.

धूर् 4. P. (हिंसायाम् K. वधे गतौ V.) ferire, laedere, occidere; ire. (Cf. धू, धुर्व्.)

धूर्जटि m. (e धुर् onus, v. *euph. r.* 73[a). et जटि i. q. जटा q. v.) cognomen *Sivi*. HIT. 3. 1.

धूर्त (ut videtur, a r. धूर् vel धुर्व् vel ध्वृ s. त) fraudulentus. HIT. 76. 15.

धूलि m. f. (r. धू s. लि) pulvis. AM.

धूश्, धूष्, धूस् 10. P. splendidum, pulchrum reddere.

धूषर, धूसर (*fem.* री) canus, pallidus. HIT. 81. 13.: धूषर; RAGH. 5. 42. 16. 17.: धूसर·

1. धृ 1. P. A. 1) tenere, ferre, gerere. HIT. 68. 13.: कनकसूत्रञ् चस्वा धृत्वा; N. 15. 5.: शीघ्रयाने सदा बद्धिर् ध्रियते मे; MAH. 2. 81.: दधार परमम् वपुः; RAGH. 10. 59.: ताभिर् गर्भः प्रजाभूत्यै दध्रे देवांशसम्भवः· 2) detinere. HIT. 90. 9.: तद्दूतः ... तावद् ध्रियतां यावद् दुर्गं सज्जीक्रियते; 58. 8.: स्वकन्दरे धृतः· 3) sustentare, servare. Lass. 24. 12.: को मान् धर्तुं समर्थः· PASS. superstitem esse, vivere. N. 26. 13.: दिष्ट्याच ध्रियसे राजन्; SA. 6. 13. MAN. 3. 220. *Cum terminationibus* PAR. (gr. 493.) MAH. 1. 7173.: कच्चित् तस्य ध्रियन्ति पुत्राः; 3. 16580.: यावद् भूमिर् धरिष्यति; N. 5. 33.: यावच्च मे धरिष्यन्ति प्राणा देहे· — *Caus.* 1) ferre, tenere, sustentare, conservare, perferre. N. 1. 18. 3. 14. 16. 18. 18. 9. 24. 35. A. 7. 13. 10. 26. BH. 15. 13. 18. 34. 2) putare, *dafürhalten*. BH. 5. 9.: इन्द्रियाणी 'न्द्रियार्थेषु वर्तन्त इति धारयन्· (Cf. भृ, unde fortasse धृ mutatâ labiali aspiratâ in dentalem; respicias gr. θήρ, φήρ, lat. *fera*, quae fortasse a portando dicta, ita ut primitive jumentum onerarium significaverint, sicut scr. धुरीण·)

c. अभि *Caus.* sustinere, conservare. MAH. 3. 16221.

c. अव *Caus.* intelligere. MR. 162. 10.: न सम्यग् अवधारयामि; MAH. 1. 1749.: अनुक्रोशात्मतान् तस्या 'वधार्य; 3. 11210.: मद्वाक्यम् अवधार्य·

c. उप *Caus.* scire, intelligere. BH. 9. 6.: यथा 'काशस्थितो नित्यम् वायुः ... तथा सर्वाणि भूतानि मत्स्थानी 'त्य् उपधारय; 7. 6.; MAH. 1. 7805. MAN. 12. 27. 29.

c. परि *Caus.* ferre. MAH. 3. 10907.

c. प्र *Caus.* considerare, perpendere. MAH. 1. 3581.: एवम् प्रधार्य·

c. प्र praef. सम् *Caus.* 1) tradere. MAH. 3. 11741.: द्रौपदीम् आर्ष्टिषेणाय सम्प्रधार्य; 3. 8772.: समुद्रस्य जये बुद्धिः सम्प्रधार्यताम्· 2) considerare, perpendere. MAH. 2. 1652.: सम्प्रधार्य यत् क्षेमम्; RAM. 2. 96. 54. 3) comparare, *c. acc.* MAN. 10. 73.: अनार्यम् आर्यकर्माणम् आर्यञ्चा 'नार्यकर्मिणं सम्प्रधार्य·

c. वि 1) tenere, retinere. BHAR. 3. 58. 2) ferre, gerere. RAGH. 13. 40.: विधृतासिः (Schol. धृतखड्गः). *Caus.* 1) retinere, sistere. MAH. 3. 676.: वेगम् वेगवतो विधारयन्· 2) denegare, abnuere. R. Schl. II. 13. 3.: ममैव 'नम् वरङ् कस्माद् विधारयितुम् इच्छसि·